Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

ASCI
Agriculture Skill Council of India

प्रतिभागी पुस्तिका

सेक्टर
कृषि और संबद्ध

उप सेक्टर
कृषि और संबद्ध गतिविधि

व्यवसाय
पशुधन स्वास्थ्य प्रबंधन

संदर्भ आईडी: AGR/Q4804

पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता

द्वारा प्रकाशित

महेंद्र प्रकाश प्राइवेट लिमिटेड
ई–42,43,44, सेक्टर – 7, नोएडा – 201301
उत्तर प्रदेश – भारत

सर्वाधिकार सुरक्षित,

प्रथम संस्करण, सितम्बर 2016

भारत में मुद्रित

कॉपीराइट © 2016

भारतीय कृषि कौशल परिषद
6वी, मंजिल, जी ऐन जी बिल्डिग, प्लॉट नंबर 10,
गुड़ग्राम – 122004, हरियाणा, भारत
फोनः 0124–4670029 / 4814673 / 4814659
ईमेलः info@asci-india.com
वेबसाइटः www.asci-india.com

खंडन

यहाँ निहित जानकारी विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त किया गया है भारतीय कृषि कौशल परिषद्। भारतीय कृषि कौशल परिषद् जो सटीकता के लिए सभी वारंटियों का पूर्णता या इस तरह की जानकारी की पर्याप्तता का खंडन करती है। भारतीय कृषि कौशल परिषद का त्रुटियों चूक या अपर्याप्तता के लिए कोई दायित्व नहीं होगा, यहाँ निहित जानकारियों में, या व्याख्या के लिए हर संभव प्रयास पुस्तक में शामिल कॉपीराइट सामग्री के मालिकों को पता लगाने के लिए किया गया है। प्रकाशकों की किताब को भविष्य के संस्करणों में स्वीकृतियों के लिए उनके ध्यान में लायी किसी भी चूक के लिए आभारी होंगे। भारतीय कृषि कौशल परिषद में कोई भी इकाई किसी भी नुकसान के लिए जिम्मेदार नही होगी, किसी भी व्यक्ति के द्वारा जो निरंतर इस सामग्री पर निर्भर करता है। इस प्रकाशन की सामग्री का कॉपीराइट है। इस प्रकाशन का कोई भाग दुबारा प्रस्तुत, संग्रहित या किसी भी रूप में वितरित या और किसी तरह से या तो कोई कागज या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम के द्वारा नहीं किया जा सकता है, जब तक भारतीय कृषि कौशल परिषद द्वारा अधिकृत ना किया जाय।

कौशल विकास से एक बेहतर भारत का निर्माण होगा। अगर हमें भारत को विकास की दिशा में आगे बढ़ाना है तो कौशल विकास हमारा मिशन होना चाहिए।

श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री भारत

Certificate

COMPLIANCE TO QUALIFICATION PACK – NATIONAL OCCUPATIONAL STANDARDS

is hereby issued by the

AGRICULTURE SECTOR SKILL COUNCIL

for

SKILLING CONTENT : PARTICIPANT HANDBOOK

Complying to National Occupational Standards of
Job Role/ Qualification Pack: '**Animal Health Worker**' QP No. '**AGR/Q4804 NSQF Level 3**'

Date of Issuance: **Sept 26th, 2016**

Valid up to*: **Sept 30th, 2018**

**Valid up to the next review date of the Qualification Pack or the 'Valid up to' date mentioned above (whichever is earlier)*

Authorised Signatory
(Agriculture Skill Council of India)

आभार

हम सभी संगठनों और व्यक्तियों के लिए आभारी हैं जिन्होंने इस प्रतिभागी पुस्तिका की तैयारी में हमारी मदद की हैं हम उन सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहते हैं, जिन्होंने इस पुस्तिका की समीक्षा की और अध्यायों की गुणवत्ता और प्रस्तुति में सुधार के लिए मूल्यवान निविष्टियाँ प्रदान की हैं यह पुस्तिका कौशल विकास के कार्य को आगे बढ़ाएगी एवं हमारे हितधारकों में विशेष रूप से प्रशिक्षुओं, प्रशिक्षकों और मूल्यांकनकर्ताओं की सहायता करेगीं हम अपने विषय विशेषज्ञ के लिए आभारी हैं **डॉ– मिफ्टाहुल इस्लाम बारबारुह** जिन्होंने प्रतिभागी पुस्तिका की तैयारी में हमारी सहायता की हैं

यह उम्मीद है कि यह प्रकाशन QP / NOS आधारित प्रशिक्षण की पूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करेगां हम भविष्य में किसी भी सुधार के लिए उपयोगकर्ताओं, उद्योग विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों के सुझावों का स्वागत करते हैं

इस पुस्तक के बारे में

एक पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता जिसे सामुदायिक पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता/सामुदायिक संसाधन व्यक्ति (पशु चिकित्सा) या पशुधन सेवा प्रदाता के रूप में जाना जाता है, वह व्यक्ति है जिसे भारतीय पशु चिकित्सा परिषद अधिनियम (1984 का क्र. 52) के प्रावधान के तहत "लघु पशु चिकित्सा सेवाएं" प्रदान करने के लिए उसके समुदाय ने चयनित किया है। वह किसी पंजीकृत विकास/निजी/निर्माता के नेतृत्व में एजेंसी की निगरानी के तहत पंजीकृत पशु चिकित्सक के अप्रत्यक्ष या दूर से देखरेख में काम करता है। एक पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता की वैज्ञानिक सोच, समुदाय के लिए अपनापन, जानवरों के लिए दया, अच्छा नेतृत्व, और संचार और प्रेक्षण कौशल होने चाहिएं। उसे शारीरिक रूप से मजबूत होना चाहिए और काम पर प्रदर्शन करने के लिए मैनुअल निपुणता होनी चाहिए। प्रशिक्षु प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में निम्न कौशल में अपने ज्ञान में वृद्धि प्राप्त करेगा:

- **ज्ञान व समझ:** आवश्यक कार्य करने के लिए पर्याप्त परिचालन ज्ञान और समझ
- **प्रदर्शन कसौटी**: व्यक्तिगत प्रशिक्षण और निर्धारित मानकों के भीतर आवश्यक कार्रवाई के प्रदर्शन के माध्यम से आवश्यक कौशल हासिल करना
- **व्यावसायिक कौशल:** कार्य क्षेत्र से संबंधित परिचालन निर्णय लेने की क्षमता।

इस हस्तपुस्तिका में निवारक स्वास्थ्य देखभाल, कृषि पशु एवं मुर्गी पालन के लिए संक्रामक रोग नियंत्रण और बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं में सहायता के लिए अच्छी तरह से परिभाषित भूमिकाओं को शामिल किया गया है, ज्यादातर आउटडोर सेटिंग में। प्रतिभागी को परिणाम उन्मुख होना चाहिए और उसके स्वयं के काम और सीखने के लिए जिम्मेदार होना चाहिए। प्रतिभागी को विभिन्न उपकरणों को उपयोग करने और तत्काल समस्या को हल करने के लिए निर्णय लेने का कौशल प्रदर्शन करने में भी सक्षम होना चाहिए।

हम आपको पशु पालन क्षेत्र में आपके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

उपयोग किये गए प्रतीक

सीखने के प्रमुख परिणाम

कदम

समय

टिप्स

टिप्पणियाँ

यूनिट का उद्देश्य

अभ्यास

विषय – सूची

क्र.सं.	मॉड्यूल और इकाइयां	पृष्ठ सं.
1.	परिचय	1
	यूनिट 1.1 – ग्रामीण आजीविका और पशुधन खेती	3
	यूनिट 1.2 – अपने गांव को जानना	11
	यूनिट 1.3 – पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता की भूमिका और जिम्मेदारी	14
	यूनिट 1.4 – लगातार सीखना और समर्थन प्रणाली	18
2.	जानवरों को नियंत्रित और प्रतिबन्धित करना (AGR/N4801)	20
	यूनिट 2.1 – घरेलू जानवरों के शरीर के बाहरी अंग और अंग प्रणाली	22
	यूनिट 2.2 – उड़ान क्षेत्र और संतुलन बिंदु की समझ	30
	यूनिट 2.3 – घरेलू जानवरों का सामान्य व्यवहार	34
	यूनिट 2.4 – आम तरीकों और उपकरणों का उपयोग	37
	यूनिट 2.5 – व्यक्तिगत सुरक्षा	46
3.	नियमित निवारक पशु स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम का कार्यान्वयन (AGR/N4802)	49
	यूनिट 3.1 – पशु की पहचान और रिकॉर्ड रखना	52
	यूनिट 3.2 – पर्यावरण का निरीक्षण और इतिहास धारण	61
	यूनिट 3.3 – जानवरों के स्वास्थ्य की नियमित परीक्षा	66
	यूनिट 3.4 – रोगों के कारण और संचरण के तरीके	72
	यूनिट 3.5 – सामान्य बीमारियों की पहचान करना	77
	यूनिट 3.6 – पशुजन्य रोग।	84
	यूनिट 3.7 – सूचनीय रोगों की अवधारणा	87
	यूनिट 3.8 – जानवरों में बीमारियों की रोकथाम	89
4.	पशु प्राथमिक चिकित्सा (AGR/N4805)	97
	यूनिट 4.1 – आपातकालीन स्थिति और पूर्व निपटान कारक	99
	यूनिट 4.2 – आम प्राथमिक उपचार के साधन	108
	यूनिट 4.3 – सतही घाव/फोड़े की देखभाल करना	112
	यूनिट 4.4 – फ्रैक्चर और सींग के चोटों की देखभाल	118
	यूनिट 4.5 – पशु जन्म के दौरान प्राथमिक चिकित्सा।	121
	यूनिट 4.6 – विषाक्तता की देखभाल	123
	यूनिट 4.7 – दवाओं का प्रशासन	127
	यूनिट 4.8 – प्राथमिक उपचार के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपाय	132

5. पशु रोग नियंत्रण में सरकार की सहायता करना (AGR/N4807) 134

यूनिट 5.1 – कुछ महत्वपूर्ण अवधारणाएं। 136

यूनिट 5.2 – रोग निरीक्षण और निगरानी का परिचय। 144

यूनिट 5.3 – पशुधन बाजार। 148

यूनिट 5.4 – परिसर की सफाई और कीटाणुशोधन। 152

यूनिट 5.5 – पशुओं को मारना और उनका निपटान। 156

यूनिट 5.6 – पशु रोग रिपोर्टिंग। 159

यूनिट 5.7 – स्थानीय संसाधन जुटाने के लिए नेतृत्व। 161

6. पशु चिकित्सा विस्तार सेवाओं में सहायता करना (AGR/N4808) 163

यूनिट 6.1 – विस्तार सेवाओं को समझना 165

यूनिट 6.2 – फार्म के जानवरों के उत्पादन चक्र को समझना 174

यूनिट 6.3 – पशु आवास के बुनियादी सिद्धांत 176

यूनिट 6.4 – पशुधन को खिलाना 181

यूनिट 6.5 – शरीर की हालत की नम्बरिंग 192

यूनिट 6.6 – जानवरों का चुनाव करना 197

यूनिट 6.7 – दूध की स्वच्छता और पशुधन उत्पाद का रखरखाव 202

यूनिट 6.8 – संचार डिवाइस का उपयोग करना 205

7. विकास कार्यक्रम क्रियान्वयन और पशुधन सेक्टर की मार्केटिंग (AGR/N4810) 208

यूनिट 7.1 – दीर्घकालिक विकास और इसके लिए लक्ष्य 210

यूनिट 7.2 – विकास परियोजना प्रबंधन के मूल तत्व 213

यूनिट 7.3 – व्यापार प्रबंधन 219

यूनिट 7.4 – विकास कार्यकर्ता से अपेक्षा 225

8. पशु कल्याण, नस्ल संरक्षण और आपदा प्रबंधन में सहायता करना (AGR/N4813) 227

यूनिट 8.1 – पशु कल्याण 229

यूनिट 8.2 – स्वदेशी पशुधन का संरक्षण 234

यूनिट 8.3 – आपदा प्रबंधन 236

9. छोटे खेतिहर जानवरों में प्रजनन सेवाओं का कार्यान्वयन (AGR/N4821) 240

यूनिट 9.1 – प्रजनन प्रणाली को समझना 242

यूनिट 9.2 – पशु आनुवांशिकी की मूल बातें 246

यूनिट 9.3 – हीट/गर्मी के लक्षण 250

यूनिट 9.4 – कृत्रिम गर्भाधान 253

यूनिट 9.5 – प्रसव (जन्म देना) 264

यूनिट 9.6 – अनुत्पादक पशुओं का प्रबंधन (प्रजनन विफलता) 269

10. नियोजनीयता एवं उद्यमशीलता कौशल 271

यूनिट 10.1 – व्यक्तिगत क्षमताएं एवं मूल्य 275

यूनिट 10.2 – डिजिटल साक्षरताः पुनरावृत्ति 293

यूनिट 10.3 – धन संबंधी मामले 299

यूनिट 10.4 – रोजगार व स्वरोजगार के लिए तैयारी करना 310

यूनिट 10.5 – उद्यमशीलता को समझना 319

यूनिट 10.6 – उद्यमी बनने की तैयारी करना 341

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

ASCI
Agriculture Skill Council of India

1.परिचय

यूनिट 1.1 – ग्रामीण आजीविका और पशुधन खेती

यूनिट 1.2 – अपने गांव को जानना

यूनिट 1.3 – पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता की भूमिका और जिम्मेदारी

यूनिट 1.4 – लगातार सीखना और समर्थन प्रणाली।

सीखने के प्रमुख परिणाम

इस मॉड्यूल के अंत में आप निम्नलिखित में सक्षम होंगे:

- आजीविका का मतलब समझना।
- ग्रामीण आजीविका में पशुधन और मुर्गीपालन के महत्व पर चर्चा करना।
- अपने गांव के संस्थानों और संसाधनों को बेहतर समझना।
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता की भूमिका और जिम्मेदारी को समझना।
- लगातार सिखने के महत्व को समझने में और रेफरल समर्थन प्रणाली की पहचान करना।

यूनिट 1.1: ग्रामीण आजीविका और पशुधन खेती

यूनिट का उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में आप निम्नलिखित में सक्षम होंगे:

- आजीविका' का अर्थ समझना।
- परिभाषाएँ जानना और ग्रामीण क्षेत्र में पशुधन और मुर्गीपालन के महत्व पर चर्चा करना।

1.1.1 आजीविका क्या है?

आपकी आजीविका वो काम है जो आप आय कमाने के लिए करते हैं जो आपका भरण पोषण करती है

सरल शब्दों में यह जीने के लिए पैसे कमाने का एक तरीका है –

छवि 1.1.1 ग्रामीण आजीविका और पशुधन खेती
फोटो क्रेडिट: *vethelplineindia.co.in*

कैसे कोई अपनी आजीविका या किसी की आजीविका में सुधार कर सकता है?

तकनीकी शब्दों में, आजीविका को क्षमताओं, संपत्ति और गतिविधियों के रूप में परिभाषित किया गया है जो लोग जीविका कमाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। (डीएफआईडी, 2000)। आप इसे 'आजीविका समीकरण' के रूप में व्यक्त करने के द्वारा याद कर सकते हैं।

आजीविका = क्षमता + संपत्ति + गतिविधि

इसका मतलब यह है, सामान्य रूप में एक व्यक्ति को उसकी आजीविका या लोगों की आजीविका में सुधार के लिए निम्नलिखित पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

क क्षमता
ख संपत्ति
ग गतिविधि

एक व्यक्ति की क्षमता का मतलब है व्यक्ति की क्षमताओं को 'कैपिंग' करना या शक्तिशाली बनाना। क्षमताओं में शारीरिक क्षमता, मानसिक योग्यता और कौशल शामिल हैं। एक व्यक्ति कुछ करने में तभी सक्षम होता है जब वह योग्य है और साथ में उचित वातावरण या समर्थन है जैसे वित्त की उपलब्धता, बाजार की उपलब्धता, सड़क संपर्क आदि। छवि – 1 क्षमताओं के विभिन्न घटकों को इंगित करती है।

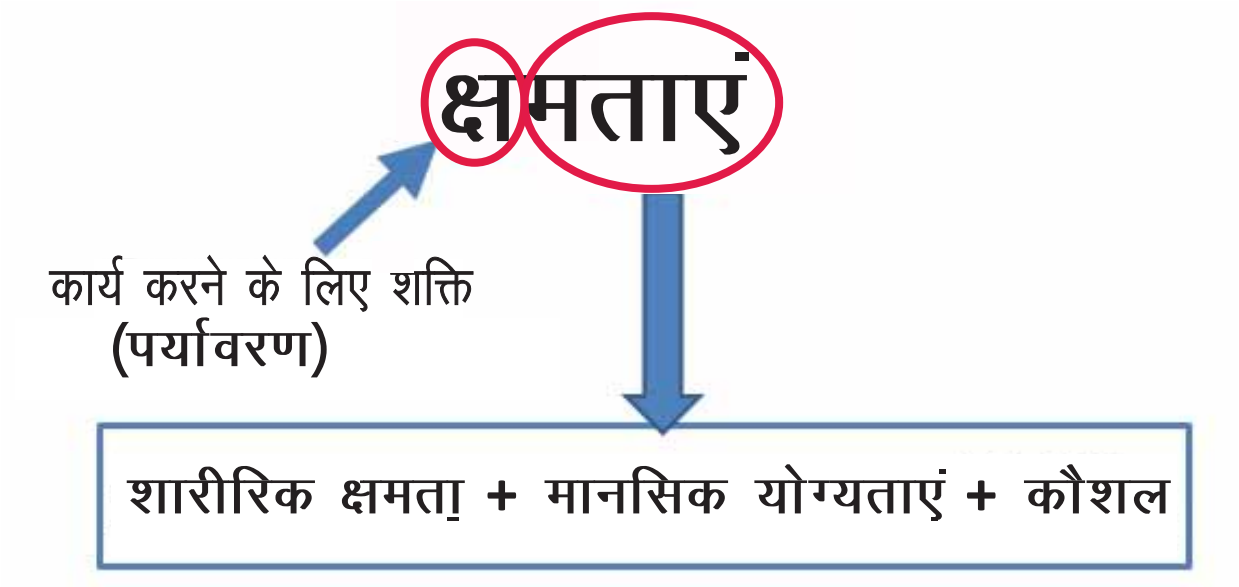

छवि 1.1.1 क्षमताओं को समझना (नोटः कौशल क्षमताओं का एक अभिन्न हिस्सा है)

चीजें जो 'संपत्ति हैं' का मालिक के लिए मूल्य होता है क्योंकि वे नकदी में परिवर्तित किया जा सकता है।

क्या आप एक पशुधन किसान की प्रमुख संपत्ति का नाम बता सकते हैं?

एक काम जो एक व्यक्ति या समूह किसी विशेष प्रयोजन के लिए करता है उसे 'गतिविधि' कहा जाता है

क्या आप इस डाक टिकट में दिखाई कुछ गतिविधियों का नाम बता सकते हैं?

.....

.....

क्षमताओं पर हमारे सीखने को ताज़ा करना ...।

निम्नलिखित चित्रों की जाँच करें और विभिन्न क्षमताओं का नाम बताएं:

.....

.....

ऊपर चित्र में महिलाओं का कौशल क्या है?

.....

क्या आप इस तस्वीर में दिखाई गयी उसकी सम्पत्ति का नाम बता सकते हैं?

.....

क्या अब आप आजीविका से कौशल विकास को जोड़ सकते हैं?

1.1.2 पशुधन और आजीविका

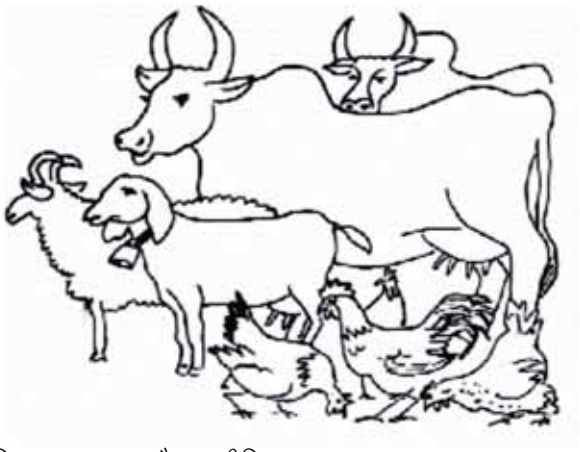

छवि 1.1.2 पशुधन और आजीविका

पशुधन को एक खेत पर रखे उपयोगी जानवरों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। पशुधन को लाभ के लिए पाला जाता है या दुर्लभ नस्लों के संरक्षण के लिए। पशुधन हमें खाद्य (जैसे दूध, मांस), फाइबर (उदाहरण के लिए ऊन), चमड़े, उर्वरक (जैसे खाद) और/या श्रम (उदाहरण के लिए पशु जुताई) देता है।

शब्द पोल्ट्री का विशेष रूप से अंडा, मांस, पंख के लिए और कभी कभी पालतू के रूप में पक्षियों के पालने का वर्णन करने के लिए प्रयोग किया जाता है। पोल्ट्री की प्रजातियों में शामिल हैं: मुर्गी, क्वालिस, टर्की, पालतू बतख, घरेलू हंस, गिनी मुर्गी और कबूतर आदि।

भारत में पशुधन में शामिल हैं: मवेशी, भैंस, भेड़, बकरी, सुअर, घोड़े और टट्टू, खच्चर, गधे, ऊंट, खरगोश, मिथुन और याक।

छवि 1.1.2 भारत–नेपाल सीमा के पास भेड़ों का झुंड (फोटो क्रेडिट: अमजीमसचसपदमपदकपंण्बवण्पदद्ध

पशुधन भारतीय संस्कृति और पौराणिक कथाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

छवि 1.1.2 नंदी – हिंदू पौराणिक कथाओं में शिव और पार्वती के द्वारपाल

पशुधन और पोल्ट्री भारत में ग्रामीण समुदाय के दो–तिहाई को आजीविका प्रदान करता है।

छवि 1.1.2 अपने घर के पिछवाड़े की पोल्ट्री के साथ केरल की श्रीमती कुमारीअम्मा (फोटो क्रेडिटः iआबंतक.वतह)

क्या आप जानते हैं?

✓ भारत कुल भैंस आबादी में दुनिया में पहले और मवेशियों और बकरियों की आबादी में दूसरे स्थान पर है।

✓ भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा अंडा उत्पादक है और तीसरा सबसे बड़ा ब्रायलर चिकन उत्पादक है

✓ भारत में मवेशियों की 30, भैंसों की 15, भेड़ की 42, बकरी की 20, घोड़ों की 8 और पोल्ट्री की 18 मान्यता प्राप्त नस्लें हैं।

✓ भारत में पशुधन का 70% तक, 67% छोटे, हाशिये पर और भूमिहीन किसानों के स्वामित्व में है, भारत में पशु पालन के श्रम का साठ प्रतिशत महिलाओं द्वारा प्रदान किया जाता है और पशुओं की देखभाल से संबंधित 90% से अधिक काम परिवार की महिलाओं और बच्चों द्वारा किया जाता है।

छवि 1.1.2 गाय के गोबर के उपले को भारतीय गांवों में खाना पकाने के लिए ईंधन के रूप में प्रयोग किया जाता है (स्रोतः फ़्लिकर क्रेडिटः एंड्रयू टर्नर)

छवि 1.1.2 जानवरों का उपयोग करते हुए चावल के खेतों में भूमि को समतल करना (फोटो क्रेडिटः सीआरआरआई)

एनबीः आप भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए पशुधन और पोल्ट्री के योगदान के बारे में अधिक जानने के लिए इंटरनेट देख सकते हैं।

कक्षा कार्यः

पशुधन और पोल्ट्री से प्राप्त उत्पादों और गौणउत्पादों की सूची बनायें।

अभ्यास

1. सूची विभिन्न पशुधन की बड़े जुगाली करने वाले, छोटे जुगाली करने वाले पशुओं, मोनोगैस्ट्रिक्स और कैमेलिड्स के रूप में सूची बनायें।

उत्तरः ----------

---

2. जुगाली करने वाले पशुओं और मोनोगैस्ट्रिक्स पशुओं के बीच के अंतर को पहचानें

उत्तरः ----------

टिप्स

1- इस यूनिट से सीखना दिलचस्प हो सकता है, अगर आप निम्न सवालों का जवाब ढूंढते हैं:

- जिस गांव की आप सेवा कर रहे हैं उसका ज्ञान किस तरह लोगों की आजीविका में सहायता करने में आपकी मदद कर सकता है? (आजीविका की तकनीकी परिभाषा और गांव में संसाधनों के प्रकार को देखें)
- फसल कैलेंडर और गांव उत्सव का ज्ञान कैसे पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में आपके काम में मदद कर सकते हैं? (पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता की भूमिका को देखें)
- क्यों कौशल विकास आजीविका में सहायता करने के लिए महत्वपूर्ण है? (क्षमताओं और आजीविका के घटकों का समीकरण देखें)
- मुझे एक पशुधन किसान की आजीविका में सहायता करने के लिए क्या करना चाहिए? (आजीविका समीकरण देखें)

2. हमेशा विभिन्न ग्राम स्तरीय संस्थाओं की बैठकों में जाने और भाग लेने का प्रयास करें। आपकी राय पशुधन क्षेत्र में सुधार के लिए परियोजना की योजना बनाने और उसे लागू करने में गांव के नेताओं की मदद कर सकती है।

3. पशुधन किसानों के लिए किसी भी कार्यक्रम का सुझाव करने से पहले हमेशा एक गांव या सेवा क्षेत्रों के भीतर "जरूरत'' और '' संसाधन" को देखें

टिप्पणियाँ